केन्द्रीय विद्यालय संगठन, जयपुर संभाग

Kendriya Vidyalaya Sangathan, Jaipur Region

प्री बोर्ड परीक्षा/Pre-Board Examination: 2025-26

Series JPR_PB-I/2025-26/12/Sub Code 302/Set No. 1

अनुक्रमांक/Roll No. - .....

नोट –

- **कृपया जाँच लें कि इस प्रश्न-पत्र में कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या 6 है।**
- **कृपया जाँच लें कि इस प्रश्न-पत्र में कुल प्रश्नों की संख्या 12 है।**
- **कृपया उत्तर लिखते समय सही प्रश्न-क्रम अवश्य लिखें।**
- **प्रश्न-पत्र के पठन के लिए 15 मिनट का समय निर्धारित है। इस अवधि में विद्यार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ें, उत्तर-पुस्तिका में कोई उत्तर न लिखें।**

कक्षा /Class : 12वीं **विषय /Subject: हिन्दी आधार**

अवधि /Period: 03 घंटे **अधिकतम अंक /M.M.:- 80 अंक**

सामान्य निर्देश/Instructions:-

***** निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी पूर्वक पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-

* यह प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभाजित है।
* खंड-क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
* खंड-ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आतंरिक विकल्प दिए गए हैं।
* खंड-ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आतंरिक विकल्प दिए गए हैं।
* तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
* यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमश: लिखिए।

प्रश्न सं.	खंड – क (अपठित बोध)	अंक (18)
1	**निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-**	(10)
	अच्छी बात करने वाला सभी का मान – सम्मान हासिल करता है, जबकि अनावश्यक रूप से तिक्त बात करने वाला अपने तमाम गुणों के बावजूद समाज में समुचित सम्मान नहीं प्राप्त कर पाता। बात व्यक्तिगत संबंधों की करें या राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की, हर जगह बातों की जादूगरी का बोलबाला है। बातों ने बड़े से बड़े युद्ध को रोका है तो बड़ा से बड़ा युद्ध करवाया भी है। बातों की महत्ता इससे साबित होती है कि वह सकारात्मक भाव से कही जा रही हैं या नकारात्मक भाव से। बातें किसी के दिल से निकली हों, वे राग या विराग होती हैं। इसका असर बोलने और सुनने वाले दोनों पर होता है। कबीर कहते हैं 'ऐसी वाणी बोलिए मनका आपा खोय, औरन को शीतल करे, आपहूं शीतल होय।' किसी व्यक्ति की सफलता इन्हीं राहों से होकर गुज़रती है। व्यक्ति की बातें उसके व्यक्तित्व का आईना होती हैं। पहले धैर्य के साथ सुनना, समझना, मनन करना, फिर बोलना, यह कला जिस व्यक्ति में होती है वह जीवन की हर बाजी को जीतने की क्षमता रखता है। कोई नौकरी पेशा हो, व्यापारी हो, कलाकार हो या अन्य कार्य करता हो, सभी की सफलता और स्थायित्व के लिए वाक् पटुता आवश्यक है। बातों के संदर्भ में एक आवश्यक बात यह भी है कि व्यक्ति की कथनी और करनी में सामंजस्य आवश्यक है। 'कहना कुछ, करना कुछ' जैसी चीज़ें पूरे समाज को चोटिल करती हैं। आजीवन वास्तविक साधुत्व को जीते राष्ट्रपिता गांधी के विवेकपूर्ण और ओजस्वी वक्तृत्व क्षमता के आगे शक्तिशाली फिरंगी और तमाम लोग नतमस्तक हो जाते थे।	

(क)	बात का महत्त्व किस पर आधारित होता है ? (अ) माहौल पर (ब) सकारात्मक या नकारात्मक होने पर (स) संवेदनशीलता पर (द) बोलने-सुनने वालों पर	**1**
(ख)	बापू के आचरण में हमें क्या नहीं मिलेगा ? (अ) कथनी- करनी में समानता (ब) साधुत्व (स) जीतने की इच्छा (द) वाक् पटुता	**1**
(ग)	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - कथन (I) : बात में सकारात्मक-नकारात्मक ऊर्जा होती है। कथन (II) : बात सम्मान-अपमान का आधार हो सकती है। कथन (III) : विवाद का समाधान बात पर आधारित होता है। कथन (IV) : तिक्त बात करने वाले गुणी होते हैं। गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही हैं ? (अ) केवल कथन I और II सही है। (ब) केवल कथन II सही है। (स) केवल कथन I, II और III सही हैं। (द) केवल कथन III और IV सही हैं।	**1**
(घ)	व्यक्ति की सफलता का मार्ग क्या है ?	**1**
(ङ)	बातें युद्ध करवाने और रोकने की जादूगरी का आधार कैसे हो सकती हैं ?	**2**
(च)	कबीर के दोहे में वाणी अर्थात बातों की शीतलता से क्या आशय है ?	**2**
(छ)	कथनी और करनी का भेद समाज को कैसे चोट पहुँचाता है ?	**2**
2	**निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-**	**08**
	रोटी उसकी, जिसका अनाज, जिसकी जमीन, जिसका श्रम है; अब कौन उलट सकता स्वतंत्रता का सुसिद्ध, सीधा क्रम है। आजादी है अधिकार परिश्रम का पुनीत फल पाने का, आज़ादी है अधिकार शोषणों की धज्जियाँ उड़ाने का। गौरव की भाषा नई सीख, भिखमंगों की आवाज़ बदल, सिमटी बाँहों को खोल गरुड़ उड़ने का अब अंदाज बदल। स्वाधीन मनुज की इच्छा के आगे पहाड़ हिल सकते हैं; रोटी क्या ? ये अंबरवाले सारे सिंगार मिल सकते हैं।	
(क)	सच्चे अर्थों में रोटी पर अधिकार है : (अ) अनाज उगाने वालों का (ब) गरीबों का (स) साहबों का (द) नेताओं का	**1**
(ख)	'गौरव की भाषा नई सीख, भिखमंगों की आवाज बदल' पंक्ति में कहा गया है:	**1**

	(अ) गिड़गिड़ाना छोड़ने को (ब) स्वाभिमानी बनने को (स) उपरोक्त दोनों (द) अपनी आवाज बदलने को	
(ग)	आजादी क्यों आवश्यक है ? निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: कथनः- (क) जीवन को सुख-शांति से जीने के लिए (ख) जीवन सुचारू रूप से चलाने के लिए (ग) शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए (घ) दुश्मनों का दिल दुखाने के लिए निम्नलिखित विकल्पों पर विचार कर सही विकल्प चुनिए विकल्प:- (अ) केवल कथन (क) तथा (ख) सही हैं (ब) केवल कथन (ग) तथा (घ) सही है (स) केवल कथन (क), (ख) तथा (ग) सही है (द) केवल कथन (घ) सही है।	**1**
(घ)	प्रस्तुत काव्यांश में पहाड़ किसका प्रतीक है ?	**1**
(ङ)	काव्यांश का मूल संदेश क्या है ?	**2**
(च)	आजाद व्यक्ति क्या कर सकता है ?	**2**
प्रश्न सं.	**खंड – ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	**अंक (22)**
3	**निम्नलिखित दिए गए विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :-**	**6X1=6**
	(क) विकसित भारत का सपना (ख) जीवन में बिसरते तीज-त्योहार (ग) समय के साथ चलना जरूरी	
4	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं चार</u> प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए:-**	**2X4=8**
(क)	पत्रकारीय लेखन क्या है ?	**2**
(ख)	बीट रिपोर्टिंग को परिभाषित कीजिए ।	**2**
(ग)	पूर्णकालिक पत्रकार से क्या तात्पर्य है ?	**2**
(घ)	मुद्रित माध्यम की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।	**2**
(ङ)	समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड शैली को स्पष्ट कीजिए ?	**2**
5	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो प्रश्नों</u> के लगभग 80 शब्दों में उत्तर दीजिए:-**	**4X2=8**
(क)	कहानी और नाटक में समानता और असमानताओं को स्पष्ट कीजिए ?	**4**
(ख)	नए अथवा अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में कौन-कौन सी बातों का ध्यान रखना चाहिए ?	**4**

(ग)	रेडियो नाटक की कहानी में किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?	**4**
प्रश्न सं.	**खंड – ग (पाठ्यपुस्तक आरोह और वितान पर आधारित प्रश्न)**	**अंक (40)**
6	**निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-**	**1X5=5**
	बात सीधी थी पर एक बार भाषा के चक्कर में जरा टेढ़ी फँस गई। उसे पाने की कोशिश में भाषा को उलटा पलटा तोड़ा मरोड़ा घुमाया फिराया कि बात या तो बने या फिर भाषा से बाहर आए- लेकिन इससे भाषा के साथ साथ बात और भी पेचीदा होती चली गई। सारी मुश्किल को धैर्य से समझे बिना मैं पेंच को खोलने के बजाए उसे बेतरह कसता चला जा रहा था क्यों कि इस करतब पर मुझे साफ़ सुनाई दे रही थी तमाशबीनों की शाबाशी और वाह वाह।	
(क)	बात किसके चक्कर में फँस गई ? (अ) कवि (ब) कील (स) भाषा (द)इनमें से कोई नहीं	**1**
(ख)	कवि ने बात को पाने के चक्कर में क्या-क्या किया ? (अ) उलटा पुलटा (ब) घुमाया फिराया (स) तोड़ा मरोड़ा (द) उपर्युक्त सभी	**1**
(ग)	काव्यांश के अनुसार बात कब उलझ जाती है ? (अ) शब्द जाल से उलझकर (ब) जब आप भाषा नहीं जानते (स) जब आपको व्याकरणिक ज्ञान नहीं है (द) उपरोक्त सभी स्थितियों में	**1**
(घ)	काव्यांश के अनुसार शब्दाडंबर की प्रशंसा लोग कब करते हैं ? (अ) जब वे कथ्य को समझ जाते हैं (ब) जब वे कविता के लक्ष्य को समझ जाते हैं (स) जब वे कथ्य को नहीं समझते हैं (द) उपरोक्त सभी परिस्थिति में	**1**
(ङ)	निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़कर सही विकल्प चुने। कथन (A) बात सीधी थी पर कविता में कवि ने भाषा को तोड़ा-मरोड़ा, उलटा-पलटा ताकि कविता पूर्ण हो जाए। कारण (R) भाषा के चक्कर में फँस गया था। वह अपनी कविता को आडंबरपूर्ण बनाना चाहता था। विकल्प- (अ) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है। (ब) कथन (A) गलत है, कारण (R) सही है। (स) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता। (द) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	**1**

7	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :-**	**3X2=6**
(क)	'बादल-राग' कविता में **'ऐ विप्लव के वीर !'** किसे कहा गया है और क्यों ?	**3**
(ख)	स्पष्ट कीजिए कि 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता **करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है** ।	**3**
(ग)	शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है?	**3**
8	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-**	**2X2=4**
(क)	'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता में पक्षी तो लौटने को विकल हैं, पर कवि में उत्साह नहीं है। ऐसा क्यों ?	**2**
(ख)	'जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास' कपास के बारे में सोचें कि कपास से बच्चों का क्या संबंध बन सकता है ?	**2**
(ग)	कविता के किन उपमानों को देखकर यह कहा जा सकता है कि उषा कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्द चित्र है ?	**2**
9	**निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-**	**1X5=5**
	एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्‌भुत अवधूत है। दुःख हो या सुख, वह हार नहीं मानता। न ऊधो का लेना, न माधो का देना। जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं। मौज में आठों याम मस्त रहते हैं। एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है। ज़रूर खींचता होगा। नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं । कबीर बहुत कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवा, पर सरस और मादक। कालिदास भी ज़रूर अनासक्त योगी रहे होंगे। शिरीष के फूल फक्कड़ाना मस्ती से ही उपज सकते हैं और 'मेघदूत' का काव्य उसी प्रकार के अनासक्त, अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है। जो कवि अनासक्त नहीं रह सका, जो फक्कड़ नहीं बन सका, जो किए-कराए का लेखा-जोखा मिलाने में उलझ गया, वह भी क्या कवि है ? कहते हैं कर्णाट-राज की प्रिया विज्जिका देवी ने गर्वपूर्वक कहा था कि एक कवि ब्रह्मा थे, दूसरे वाल्मीकि और तीसरे व्यास। एक ने वेदों को दिया, दूसरे ने रामायण को और तीसरे ने महाभारत को।	
(क)	'अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं', इस पंक्ति का क्या आशय है ? (अ) वायुमंडल से प्रेरित होकर अच्छी रचना की जा सकती है। (ब) फक्कड़पन, मस्ती व अनासक्ति के कारण सरस रचना की जा सकती है। (स) मानवीय ऐश्वर्य वैभव में रमकर ही सरस रचना की जा सकती है। (द) जीवन की परिस्थितियों से घबराकर सरस रचना की जा सकती है।	**1**
(ख)	'अनासक्त' शब्द का क्या अर्थ है ? (अ) विषय भोग से ऊपर उठा हुआ (ब) भलीभाँति निचोड़ा हुआ (स) अविचल बुद्धि की अवस्था (द) सांसारिक मोहमाया	**1**
(ग)	कबीरदास के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है ? (अ) अतिक्रम तथा अभ्रभेदी (ब) सूक्ष्म और संपूर्ण (स) मस्त और बेपरवाह परंतु सरल और मादक (द) आसक्त योगी	**1**
(घ)	निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़कर सही विकल्प चुनें। कथन (A)-कालिदास अनासक्त योगी थे। कारण (R)-मेघदूत काव्य उसी प्रकार के अनासक्त, अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है।	**1**

	विकल्प- (अ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की गलत व्याख्या करता है। (ब) कथन (A) सही है तथा कारण (R) गलत है। (स) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (द) कथन(A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	
(ङ)	इनमें से कौन-सी रचना कालिदास की है ? (अ) कामायनी (ब) शिरीष के फूल (स) महाभारत (द) मेघदूत	**1**
10	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए :-**	**3X2=6**
(क)	भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई ?	**3**
(ख)	"काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं।" प्रस्तुत पंक्ति में बैलों के प्यासा रहने की बात क्यों मुखरित हुई है ?	**3**
(ग)	जाति-प्रथा को श्रम-विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे आंबेडकर के क्या तर्क हैं ?	**3**
11	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-**	**2X2=4**
(क)	बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है ?	**2**
(ख)	महामारी फैलने के बाद गांव में सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य में क्या अंतर होता था ?	**2**
(ग)	लुट्टन पहलवान ने ढोल को अपना गुरु क्यों माना ?	**2**
12	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए :-**	**5X2=10**
(क)	"यशोधर बाबू की पत्नी स्वयं को समय के अनुकूल ढाल लेती हैं, किंतु यशोधर बाबू ऐसा नहीं कर पाते।" कारण सहित समीक्षा कीजिए।	**5**
(ख)	कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया ?	**5**
(ग)	टूटे-फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समयों का भी दस्तावेज होते हैं। इस कथन को सविस्तार स्पष्ट कीजिए।	**5**